हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 12 अंक : 89 | देहरादून, मंगलवार, 26 सितंबर, 2023 | मूल्य : एक रुपया | पृष्ठ : 08

दून में होगी 49वीं अखिल भारतीय पुलिस साइंस कांग्रेस : डीजीपी

3

लंदन में गूंजा धामी नाम, उमड़ पड़े उत्तराखंडी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

लंदन पहुंचे मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का भव्य स्वागत करने बड़ी संख्या में इंडियंस और उत्तराखंड के लोग एयरपोर्ट पर जुटे। इस अपनापन को महसूस करते हुए सीएम ने भी लोगों से मुलाकात की , सेल्फी खिंचवाई और सबको धन्यवाद दिया। आपको बता दें कि दिसंबर में प्रस्तावित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के लिए सीएम और उनकी टीम विदेश में दिग्गज कंपनियों से मुलाकात करेंगे और निवेश की सम्भवनाओं पर चर्चा करेंगे।

डेंगू की रोकथाम के लिए प्रशासन को सजगता से कार्य करना होगा : राधा रतूड़ी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 26 सितंबर , अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने कुमाऊँ मण्डल में डेंगू नियंत्रण, अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति, नैनीताल क्षेत्र में भू-स्खलन की स्थिति के बाद राहत सम्बन्धित कार्यों सहित विभिन्न जन समस्याओं का संज्ञान लेते हुए सम्बन्धित अधिकारियों को महत्वपूर्ण निर्देश दिए। अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने कुमाऊँ क्षेत्र में विशेषकर जनपद नैनीताल, उधमसिंह नगर, अल्मोड़ा, चंपावत व बागेश्वर के डीएम व सीएमओं को डेंगू से बचाव व रोकथाम हेतु प्रभावी समन्वय के साथ तत्काल कार्यवाही की हिदायत दी है। डेंगू की रोकथाम के लिए प्रशासन को निरन्तर सजगता से कार्य करना होगा। जिला प्रशासन को पर्याप्त पेयजल व बिजली आपूर्ति के लिए त्वरित कार्यवाही के निर्देश भी दिए हैं।

अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने कुमाऊँ क्षेत्र में विशेषकर जनपद नैनीताल, उधमसिंह नगर, अल्मोड़ा, चंपावत व बागेश्वर के डीएम व सीएमओं को डेंगू से बचाव व रोकथाम हेतु प्रभावी समन्वय के साथ तत्काल कार्यवाही की हिदायत दी है। उन्होंने सीएमओ सहित सभी सम्बन्धित अधिकारियों को अलर्ट मोड पर रहकर कार्य करते हुए जन जागरूकता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही एसीएस ने कुमाऊँ क्षेत्र में समुचित पेयजल, अस्पतालों में आवश्यक स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता, मानव-वन्यजीव संघर्षों की घटनाओं के त्वरित समाधन तथा सड़कों को गडढा मुक्त करने हेतु सम्बन्धित विभागों को तत्काल कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं।

समीक्षा बैठक के दौरान अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने कुमाऊँ मण्डल में डेंगू नियंत्रण, अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति, नैनीताल क्षेत्र में भू-स्खलन की स्थिति के बाद राहत सम्बन्धित कार्यों सहित विभिन्न जन समस्याओं का संज्ञान लेते हुए सम्बन्धित अधिकारियों को महत्वपूर्ण निर्देश दिए। एसीएस ने कहा कि डेंगू की रोकथाम के लिए प्रशासन को निरन्तर सजगता से कार्य करना होगा। राज्य में ब्लड बैंकों की कोई कमी नही है। राज्य में डेंगू के 81 प्रतिशत मरीज ठीक हो चुके हैं। राज्य के ब्लड बैंकों में पर्याप्त मात्रा में ब्लड व प्लेटलेट्स उपलब्ध है। उन्होंने सभी सीएमओ को जिला अस्पतालों के निरन्तर निरीक्षण कर व्यवस्थाएं जांचने तथा जनपद में साफ-सफाई, फॉगिग, पर्याप्त मात्रा में एलाइजा टेस्ट किट की उपलब्धता, अस्पतालों में पर्याप्त डेंगू वार्ड की उपलब्धता सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए हैं।

बैठक के दौरान एसीएस राधा रतूड़ी द्वारा नैनीताल में हाल ही हुई भू-स्खलन की घटनाओं के बाद किये गये राहत कार्यों की विस्तृत जानकारी ली गई। उन्होंने राहत शिविरों में प्रभावित परिवारों हेतु सभी आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही एसीएस ने लोक निर्माण विभाग को क्षेत्र की सड़कों को गडढा मुक्त करने हेतु तत्काल कार्यवाही के निर्देश दिए है। उन्होंने कुमाऊँ मण्डल में अस्पतालों में आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए हैं। एसीएस ने अल्मोड़ा में पेयजल तथा बिजली सम्बन्धित समस्याओं के समाधान हेतु जिला प्रशासन को तत्काल पर्याप्त पेयजल व बिजली आपूर्ति के लिए त्वरित कार्यवाही के निर्देश दिए है। बैठक में अपर सचिव डा0 अमनदीप कौर, महानिदेशक सूचना बंशीधर तिवारी तथा कुमाऊँ मण्डल के कमीशनर दीपक रावत सहित समस्त जिलाधिकारी वर्चुअल माध्यम से उपस्थित थे।

पेशाब के ये 7 रंग है खतरे की घंटी !

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 26 सितंबर , हमारे शरीर के अंदर के तापमान और तरल पदार्थों का नियंत्रण हमारी किडनियां करती हैं. किडनी पूरे शरीर में पानी की जरूरत की पूर्ति करने के बाद बाकी बचे पानी को शरीर से बाहर निकाल देती है. जब हम पानी पीते हैं तो यह शरीर के कोने-कोने में हजारों किलोमीटर चलता है और उसके बाद यह यह शरीर से बाहर आ जाता है. इसलिए पेशाब में पूरे शरीर की हलचलों की गुत्थियां छुपी होती है. अगर शरीर के अंदर किसी तरह की परेशानी होती है तो पेशाब के रंग में इसके संकेत दिखाई देते हैं. इसलिए डॉक्टर अक्सर मरीज से पेशाब के रंग के बारे में पूछते हैं.

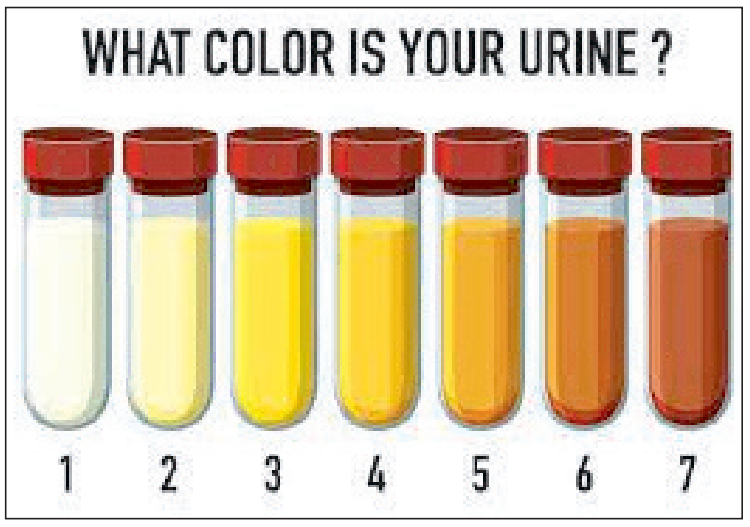

पेशाब में इन रंगों का होना खतरनाक

आमतौर पर जब पेशाब का रंग लाल हो जाए तो हर कोई परेशान हो जाता है लेकिन कई ऐसे हल्के रंग हैं जो अक्सर हम पेशाब में नजरअंदाज कर देते हैं लेकिन इससे खराब सेहत का क्लू मिलता है. कुछ फूड खाने की स्थिति में भी पेशाब के कई रंग हो सकते हैं लेकिन यदि आपने कलरफुल फूड का सेवन नहीं किया है और दो-तीन दिन से लगातार पेशाब बेतरतीब रंग का आने लगा है तो यह चिंता करने की बात है. इस स्थिति में तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए. आइए जानते है कि पेशाब के किस रंग से किस बीमारी के संकेत मिलते हैं.

1. ऑरेंज कलर-यदि आपने ग्लूकोज का सेवन नहीं किया है और इसके बावजूद आपके पेशाब का रंग ऑरेंज कलर का है तो इसका मतलब है कि आपका लिवर सही से काम नहीं कर रहा है. अगर इसके साथ ही स्टूल का रंग भी पीला है तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें.

2. रेड और पिंक-अगर आपने चुकंदर, ब्लैकबेरी नहीं खाएं हैं और पेशाब का रंग रेड या पिंक होता है तो ये आपके लिए चिंता की बात है. अगर पेशाब में लाल रंग या खून आ रहा है तो इसका मतलब है कि आपका प्रोस्टेट बड़ा हो गया है या ट्यूमर है या किडनी स्टोन है या सिस्ट है. जब आप बहुत हार्ड एक्सरसाइज करेंगे तो भी यूरिन से खून आ सकता है.

3. ब्लू रंग-अगर आपने कुछ दवाइयां या कलरफुल फूड नहीं खाया है और इसके बावजूद पेशाब का रंग ब्लू आ रहा है तो यह बिनाइन हाइपरकैल्सीमिया हो सकता है. यह बीमारी आमतौर पर बच्चों को ज्यादा होती है. बैक्टीरियल इंफेक्शन से भी ऐसा हो सकता है.

4. डार्क ब्राउन-अगर आपके पेशाब का रंग डार्क ब्राउन है तो यह किडनी की बीमारियां या यूटीआई की समस्या हो सकती है. इसमें शरीर के किसी हिस्से से ब्लीडिंग भी हो सकती है.

5. धुंधला या हल्का रंग-अगर पेशाब का रंग धुंधला या बेहद हल्का है तो इसका मतलब है कि आपको यूरिनरी ट्रैक्ट इंफेक्शन या किडनी स्टोन की परेशान हो सकती है.

6. मटमैला होना- डायबिटीज होने पर पेशाब का रंग हल्का भूरा यानी क्लॉउडी हो जाता है. डायबिटीज होने पर खून में ग्लूकोज की मात्रा बढ़ जाती है जो पूरे शरीर में पहुंचने लगता है. यही शुगर आखिर पेशाब के रास्ते निकलने लगता है.

7. लाइट पिंक और डार्क-अगर पेशाब का रंग लाइट पिंक और डार्क है और इस स्थिति में आप न कोई दवा ली है और न ही इस तरह का कोई फूड खाया है तो यह बेहद गंभीर संकेत हैं. इसमें निश्चित रूप से आपको डॉक्टर के पास जाना चाहिए.

मियां बीवी में तकरार की वजह आ गयी सामने

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 26 सितंबर , अक्सर आप पास मिया बीवी के खटपट , गुस्सा और झगड़े की घटनाये देखते सुनते होंगे। देखने में भले ही मुद्दे कुछ भी हों लेकिन वजह क्या होती है इस पर शायद ज्यादा तवज़्ज़ो नहीं दी जाती है। लेकिन अब जर्नल ऑफ सोशल और पर्सनल रिलेशनशिप में एक नया शोध बताता है कि नींद की कमी ना केवल गुस्सा बढ़ाने का काम करता है, बल्कि यह रिश्ते को भी काफी तेजी से प्रभावित करता है. इससे पहले के शोध में पाया गया था कि खराब नींद प्रॉब्लम सॉल्विंग, इमोशनल इंटेलिजेंस की कमी और निगेटिव मूड को बढ़ाने का काम करता है।

इस शोध में 700 से अधिक लोगों को शामिल किया गया, जिसमें अमेरिका और यूरोप के उन लोगों पर हिस्सा बनाया गया जो या तो रिलेशनशिप में हैं या जो शादीशुदा हैं. शोध में हिस्सा लेने वालों ने अपने सेल्फ रिपोर्ट में बताया कि नींद की क्वालिटी उनके अंदर गुस्सा बढ़ाने का काम कर रहा है, जिसका असर रिलेशनशिप की क्वालिटी खराब होती जा रही है.

शोध में पाया गया कि जो लोग अच्छी नींद नहीं ले पा रहे हैं, उनका रिलेशनशिप उन विषयों की वजह से भी प्रभावित हो रहा है, जो उनके आपसी रिश्तों से संबंधित है भी नहीं, जबकि जिनकी नींद पूरी होती है और वे सुबह फ्रेश महसूस करते हैं, उनका रिलेशनशिप काफी रोमांटिक रहता है.शोधकर्ताओं ने बताया कि दरअसल जब नींद पूरी नहीं होती है तो निगेटिव फीलिंग हावी होने लगती है और जब हम इस मूड में अपने पार्टनर से बात करते हैं तो कहीं ना कहीं इसका स्पार्क आपस की बातचीत, विषय और बोलने के तरीके को प्रभावित करने लगता है.

शोधकर्ताओं ने पाया कि नींद खराब होने की वजह कई हो सकते हैं. इसकी वजह बच्चे का जन्म, उसकी परवरिश की चुनौतियां, मेनोपॉज व बढ़ता तनाव हो सकता है. ऐसे में जरूरी है कि आप खुद का ख्याल रखें, बेहतर डाइट लें, कैफीन की मात्रा कम करें, एक्टिव रहें और बेहतर नींद के लिए पर्याप्त प्रयास करें. ऐसा ना करने से धीरे-धीरे रिलेशनशिप से रोमांस खत्म होने लगता है और बात तलाक तक पहुंच जाती है.

महिलाओं को क्यों आसानी से मिल जाता है लोन ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 26 सितंबर , हाल के वर्षों में यह धारणा बनती जा रही है कि पुरुषों की तुलना में महिलाओं को आसानी से बैंक लोन मिल जाते हैं और साथ में एडिशनल बेनिफिट्स भी दिए जाते हैं. हालांकि, इस पर गहनता से विचार करना और अलग-अलग फैक्टर्स पर विचार करना जरूरी है. बैंकिंग सेक्टर में महसूस की गई इस असमानता के पीछे क्या कारण हैं?

फाइनेंशियल इंक्लूजन

महिलाओं को बैंकों के आसानी से लोन और एढिशनल बेनिफिट्स दिए जाने का पहला कारण महिलाओं में फाइनेंशियल इंक्लूजन को बढ़ावा देने के लिए बैंकों और सरकारों द्वारा किया गया ठोस प्रयास है. महिलाओं को आर्थिक रूप से इंपॉवर करने के लिए अलग-अलग प्रोग्राम एवं पॉलिसीज लागू की गई हैं. इन पहलों में तरजीही लोन शर्तें, कम ब्याज दरें और महिलाओं की जरूरतों को पूरा करने के लिए डिज़ाइन किए गए स्पेशल फाइनेंशियल एजुकेशनल प्रोग्राम्स शामिल हैं.

क्रेडिट एलिजिबिलिटी और रिस्क वैल्यूएशन

बैंक बारोअर्स का मूल्यांकन उनकी क्रेडिट और रिस्क प्रोफ़ाइल के आधार पर करते हैं. स्टडीज से पता चला है कि महिलाएं अधिक सतर्क बारोअर होती हैं, जिसकी वजह से अक्सर बेहतर क्रेडिट स्कोर और कम रिस्क प्रोफाइल होती है. जिसकी नतीजा यह होता है कि उन्हें आसानी से और अनुकूल शर्तों पर लोन मिल जाता है.

आंत्रप्रेन्योरशिप और बिजनेस ग्रोथ

दुनियाभर में महिला आंत्रप्रेन्योर्स की संख्या बढ़ रही है. बैंक महिलाओं की लीडरशिप वाले एंटरप्राइजेज में बिजनेस वृद्धि की संभावना को पहचानते हैं और महिला आंत्रप्रेन्योर्स को फाइनेंशियल सहायता मुहैया कराने के इच्छुक हैं. इस प्रवृत्ति से न केवल महिलाओं को लाभ होता है बल्कि आर्थिक विकास में भी योगदान मिलता है.

सरकारी गारंटी और सहायता

कई देशों में, सरकारें खासकरके महिलाओं के स्वामित्व वाले बिजनेस पर टार्गेटेड लोन गारंटी और सहायता कार्यक्रम पेश करती हैं. ये गारंटियां बैंकों के लिए रिस्क को कम करती हैं, जिससे वे महिलाओं को लोन देने के लिए अधिक इच्छुक हो जाते हैं.

दून में होगी 49वीं अखिल भारतीय पुलिस साइंस कांग्रेस : डीजीपी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 26 सितंबर , 49वीं अखिल भारतीय पुलिस साइंस कांग्रेस (AIPSC) का आयोजन उत्तराखण्ड पुलिस द्वारा वन अनुसंधान संस्थान देहरादून में 07 एवं 08 अक्टूबर, 2023 को किया जायेगा। Policing in Amrit Kaal थीम पर गृह मंत्रालय, भारत सरकार की संस्था पुलिस विकास एवं अनुसंधान ब्यूरो (BPR&D) के तत्वावधान में इसे आयोजित कराया जा रहा है। 12 वर्षों के लम्बे अन्तराल के पश्चात अशोक कुमार, पुलिस महानिदेशक, उत्तराखण्ड की पहल पर इसे अपने राज्य में कराने का अवसर प्राप्त हो रहा है। इससे पूर्व 41वें AIPSC का आयोजन 21 से 23 जून, 2011 के मध्य वन अनुसंधान संस्थान देहरादून में ही कराया गया था।49वीं अखिल भारतीय पुलिस साइंस कांग्रेस का उद्घाटन शनिवार, 7 अक्टूबर, को वन अनुसंधान संस्थान के दीक्षांत हॉल में पूर्वाहन में आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर अमित शाह, गृह मंत्री, भारत सरकार ने मुख्य अतिथि बनने के लिए सहमति दे दी है और मुख्यमंत्री उत्तराखण्ड पुष्कर सिंह धामी अतिविशिष्ट सम्मानित अतिथि होंगे। कार्यक्रम में प्रतिभाग करने एवं अपने विचार प्रस्तुत करने हेतु पूरे देशभर से पुलिस अधिकारी, शिक्षाविद्, शोधकर्ता, न्यायविद, विज्ञान विशेषज्ञ तथा दूसरे हितधारक उपस्थित होंगे।समापन समारोह रविवार, 8 अक्टूबर, को भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद (ICFRE) सभागार में आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर राज्यपाल उत्तराखण्ड लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) गुरमीत सिंह ने मुख्य अतिथि बनने के लिए सहृदय सहमति दे दी है।

BPR&D द्वारा AIPSC का पहली बार आयोजन वर्ष 1960 में बिहार में किया गया था। तब से इसे अभी तक 48 बार विभिन्न राज्यों में आयोजित किया जा चुका है। विभिन्न राज्य पुलिस बलों तथा केन्द्रीय पुलिस संगठनों के साथ विचार-विमर्श कर BPR&D प्रत्येक AIPSC के विषय निर्धारित करता है। इन्हीं निर्धारित विषयों पर पेपर आमंत्रित किये जाते हैं तथा चर्चा एवं नीति निर्धारण के सुझाव केन्द्रित होते हैं।

अखिल भारतीय पुलिस साइंस कांग्रेस एक रचनात्मक मंच है। इसका उद्देश्य पुलिस कार्य क्षेत्र में नई सोच एवं समन्वय को प्रोत्साहित करते हुए पुलिस के लिए सामयिक हित के विभिन्न मुद्दों पर एक नया दृष्टिकोण विकसित करना और पुलिस अधिकारियों, सामाजिक वैज्ञानिक, फोरेंसिक वैज्ञानिक, तकनीकी विशेषज्ञों एवं विषय विशेषज्ञों के आज की महत्वपूर्ण पुलिस चुनौतियों के कारगर समाधान विकसित करना भी है। विगत अखिल भारतीय पुलिस साइंस कांग्रेस भोपाल (मध्य प्रदेश) में आयोजित की गई थी जो 22 से 23 अप्रैल, 2022 तक मध्य प्रदेश पुलिस द्वारा आयोजित की गई थी।

49वीं अखिल भारतीय पुलिस साइंस कांग्रेस (AIPSC) के लिए अशोक कुमार, पुलिस महानिदेशक उत्तराखण्ड की अध्यक्षता में एक आयोजन समिति गठित की गयी है, जो समस्त तैयारियों का पर्यवेक्षण कर रही है। 49वीं अखिल भारतीय पुलिस विज्ञान कांग्रेस के दौरान एक टेकनिकल एग्जीबिशन का भी आयोजन किया जाएगा। एग्जीबिशन में बेहतर पुलिसिंग के लिए विभिन्न नवीनतम उपकरण प्रदर्शित किए जांएगे। एग्जीबिशन को देखने के लिए देहरादून के विभिन्न स्कूल एवं कॉलेजों के छात्रों को भी आमंत्रित किया जा रहा है।

डीएम सोनिका की जन सुनवाई में उमड़ी फरियादियों की भीड़

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 26 सितंबर , जिलाधिकारी सोनिका की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। जनसुनवाई में 96 शिकायतें प्राप्त हुई। प्राप्त शिकायतों में भूमि विवाद, भूमि सीमांकन, समाज कल्याण वृद्वावस्था पेंशन, आर्थिक सहायता, भूमि मुआवजा, भूमि अभिलेखों में नाम सुधार करने अतिक्रमण, ऋण माफ करने, पेयजल, विद्युत आदि शिकायतें प्राप्त हुईं। जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण करें, शिकायतकर्ता को भी शिकायत की स्थिति से अवगत कराएं।

जिलाधिकारी ने फरियादियों/शिकायतकर्ताओं से अनुरोध किया कि वे अपनी शिकायतों के संबंध में स्वयं मिलें। किसी अन्य के माध्यम से पत्र/आवेदन देने से बचें साथ ही अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसी अन्य द्वारा प्रस्तुत किए जा रहे आवेदन पर शिकायतकर्ता से ही आवेदन प्राप्त करने को कहें।

जनसुनवाई में डोईवाला दुधली में ग्राम समाज की भूमि पर अतिक्रमण की शिकायत पर उपजिलाधिकारी डोईवाला को कार्यवाही के निर्देश दिए। साथ ही भूमि के संबंध वन विभाग, राजस्व विभाग को संयुक्त निरीक्षण के निर्देश दिए। सेलाकुई में सार्वजनिक रास्ते पर अतिक्रमण की शिकायत तथा विकासनगर अंतर्गत भूमि संबंधी प्रकरणों पर पर उप जिलाधिकारी विकासनगर को जांच कर कार्यवाही के निर्देश दिए। हरिपुरकला में प्रॉपर्टी डीलर द्वारा संपति पर कब्जा करने की शिकायत पर उप जिलाधिकारी ऋषिकेश को जांच करते हुए कार्यवाही के निर्देश दिए। एक फरियादी द्वारा शिकायत की गई कि उनको वर्ष 1986 में नसबंदी स्कीम में विकासनगर क्षेत्रान्तर्गत भूमि पट्टे आवंटित किए गए किंतु नाम दर्ज नहीं हुआ, जिस पर उप जिलाधिकारी विकासनगर को कार्यवाही के निर्देश दिए।

चकराता में मोटर मार्ग पर अतिक्रमण की शिकायत पर उप जिलाधिकारी चकराता एवं लोनिवि के अधिकारियों संयुक्त निरीक्षण करवाते हुए अतिक्रमण चिन्हित करने तथा अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए। भनियावाला में भूमि विस्थापन एवं मुवावजा संबंधी शिकायत पर उप जिलाधिकारी डोईवाला, विशेष भूमि अध्यापित अधिकारी को प्रकरण को देखते हुए कार्यवाही के निर्देश दिए। इसी प्रकार एक अन्य प्रकरण डालनवाला क्षेत्र में संपति पर कब्जा करने तथा मारपीट की शिकायत पर मुकदमा दर्ज करने के निर्देश पुलिस के अधिकारियों को दिए गए।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी झरना कमठान, उप जिलाधिकारी सदर नंदन कुमार (आईएएस), नगर मजिस्ट्रेट प्रत्यूष सिंह, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ संजय जैन, उप जिलाधिकारी हरिगिरी गोस्वामी, उप नगर आयुक्त नगर निगम देहरादून गोपाल राम बिनवाल,पुलिस अधीक्षक क्राइम मिथिलेश कुमार, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ विद्याधर कापड़ी, जिला प्रोबेशन अधिकारी मीना बिष्ट, जिला पंचायती राज अधिकारी विद्याधर सोमनाल, अधि अभि विद्युत राकेश कुमार, सिंचाई, लोनिवि, पेयजल, जल संस्थान, समाज कल्याण सहित संबंधित विभागों के अधिकारी/कार्मिक उपस्थित रहे।

डॉक्टर हनुमान जी करते हैं बिमारी का इलाज़ !

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 26 सितंबर , एमपी के भिंड जिले में डॉक्टर हनुमान जी का मंदिर है. जहां मान्यता है कि हनुमान जी खुद डॉक्टर बनकर मरीजों का इलाज करते हैं. अस्पताल रूपी मंदिर में सभी बीमारी का इलाज यहाँ डॉक्टर हनुमान जी के द्वारा किया जाता है.कई राज्यों के भक्त यहां अपनी अर्जी लेकर आते हैं. खास बात यह है कि डॉक्टर हनुमान मंदिर पर 26 सितंबर को बुढ़वा मंगल को लाखों की संख्या में लोग दर्शन करने पहुँचेंगे. ऐसे में प्रशासन ने पूरी तैयारी करना शुरू कर दी है.भिंड का प्राचीन बड़े हनुमान मंदिर शहरवासियों की आस्था और श्रद्धा का केंद्र है.यहां हर शनिवार और मंगलवार को बढ़ी तादाद में श्रद्धालु दर्शन करने पहुंचते हैं. इस मंदिर में मनोकामनाएं पूरी करने के लिए काफी ज्यादा लोगों की भीड़ भी होती है. मंदिर में हनुमानजी की बड़ी प्रतिमा होने से इस मंदिर को बड़े हनुमानजी मंदिर कहा जाता है.मन्दिर के महंत रामदास जी बताते है कि यहां हनुमान डॉक्टर के रूप में पूजे जाते हैं. हनुमान स्वयं अपने एक भक्त का इलाज करने डॉक्टर बनकर पहुंचते है,जिसमे पीड़ित मरीज को इलाज कर ठीक कर देते है. इसलिए इन्हें डॉक्टर हनुमान के नाम से जाना जाता है,इस मंदिर से लाखों लोगों की आस्था जुड़ी हुई है.

कैंसर जैसे रोग हो जाते ठीक

जिले के प्रसिद्ध दंदरौआ धाम मंदिर पर कई तरह के रोगों से पीड़ित मरीज भी डॉक्टर हनुमान के क्लीनिक पर अपनी पीड़ा लेकर पहुंचते हैं. ऐसे में माना जाता है डॉक्टर हनुमान के पास पांच मंगलवार लगातार फेरी लगाने से यहां पर कैंसर टीवी जैसे बड़ी से बड़ी छोटी-छोटी बीमारी ठीक हो जाती है.इस मंदिर पर दर्शन करने के लिए आप भिण्ड जिले से मेहगांव होते हुए दंदरौआ धाम पहुंच , जहाँ आप डॉक्टर हनुमान के दर्शन कर सकते है.

5 दिन बाद रद्दी हो जाएंगे 25 हजार करोड़ रुपये के 2000 के नोट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 26 सितंबर , देश में अभी 2000 रुपये के सभी नोट बैंकों तक नहीं पहुंचे हैं, जिनकी कुल वैल्यू 3 बिलियन डॉलर यानी 25 हजार करोड़ रुपये आंकी जा रही है. अगर ये पैसा 30 सितंबर तक नहीं पहुंचा तो इनका क्या होगा? एक बड़ा सवाल बना हुआ है. क्योंकि आरबीआई पहले ही इस बात को कह चुकी है कि 30 सितंबर के बाद इन पैसों की कोई वैल्यू नहीं होगी.2000 रुपये के नोट का काउंटडाउन शुरू हो चुका है.

सिर्फ 5 दिन बचे हैं. मार्केट में लोगों के पास अभी 2000 रुपये के नोट हैं, जिनकी वैल्यू 3 अरब डॉलर यानी 25 हजार करोड़ रुपये है. सवाल ये है कि अगर ये रुपया बैंकों में जमा नहीं हुआ तो 3 बिलियन डॉलर यानी 25 हजार करोड़ रुपये के 2000 के नोट बेकार हो जाएंगे? भारतीय रिजर्व बैंक यानी आरबीआई ने 19 मई को 2,000 रुपये के नोट को वापस लेने का आदेश दिया था. आरबीआई ने कहा था कि देश की जनता जिनके पास भी 2000 रुपये के नोट हैं, वो 30 सितंबर तक बैंकों में या जो डिपॉजिट करा दें या फिर बैंकों में जाकर बदल लें.

अभी भी जमा होने है 2000 रुपये का नोट

31 मार्च तक 2000 रुपये के नोट 3.62 लाख करोड़ रुपये के प्रचलित में थे, 19 मई को यह आंकड़ा गिरकर 3.56 लाख करोड़ रुपये हो गया था. 31 अगस्त तक, 2,000 रुपये के लगभग 93 फीसदी या लगभग 3.56 ट्रिलियन रुपये के नोट, जो 19 मई को प्रचलन में थे – जिस दिन मुद्रा को प्रचलन से वापस ले लिया गया था – बैंकों में वापस आ गए. इसका मतलब यह है कि 1 सितंबर तक वापस लिए गए नोटों में से लगभग 7 फीसदी, लगभग 3 बिलियन डॉलर, अभी भी जनता के पास हैं. आरबीआई ने पहले कहा था कि नोट 30 सितंबर के बाद भी लीगल करेंसी बनी रहेगी. लेकिन उन्हें ट्रांजेक्शन के उद्देश्य से स्वीकार नहीं किया जाएगा और केवल आरबीआई के साथ ही बदला जा सकता है.

भारत में दौड़ी हाइड्रोजन से चलने वाली पहली बस, जानिए खूबियां

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 26 सितंबर , भारत में हाइड्रोजन से चलने वाली पहली बस (First Hydrogen Fuel Cell Bus) की शुरुआत हो गई है। केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की तरफ से सोमवार को देश को बड़ी सौगात देते हुए इस बस को रवाना कर दिया गया है। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी (Hardeep Singh Puri) ने हाइड्रोजन बस को हरी झंडी दिखाई। बता दें कि शुरुआत में अभी ट्रायल के तौर पर सिर्फ दो बसें ही लॉन्च की गई हैं। इसकी सफलता के बाद देश में हाइड्रोजन से चलने वाली बस दौड़ती हुईं नजर आएंगी। आइए जानते हैं आखिर हाइड्रोजन से यह बस कैसे चलेगी,इसे पावर कैसे मिलेगा और यह एक बार में कितनी दूर जाएगी...

एक बार में हाइड्रोजन बस कितनी दूर जाएगी

दोनों हाइड्रोजन बस 3 लाख किलोमीटर का सफर तय करेंगी। इसका तमलब हाइड्रोजन से चलने वाली दोनों बसें एक बार में करीब 300 किलोमीटर तक का सफर तय कर पाएंगी। अभी दोनों ही बसों को दिल्ली में चलाया जा रहा है। तीन लाख किलोमीटर चलने के बाद देश के दूसरे हिस्सों में हाइड्रोजन बसें चलाने का प्लान है।हाइड्रोजन फ्यूल सेल्स एक उत्प्रेरक की मौजूदगी में हाइड्रोजन और ऑक्सीजन पर प्रतिक्रिया करके पावर जेनरेट करेगी। इसका एक प्रोडक्ट पानी भी है। इससे उत्पन्न होने वाली इलेक्ट्रिसिटी का इस्तेमाल विद्युत मोटर पावर सोर्स के तौर पर किया जाता है, जो बस में लगे पहियों को चलाने का काम करती है।

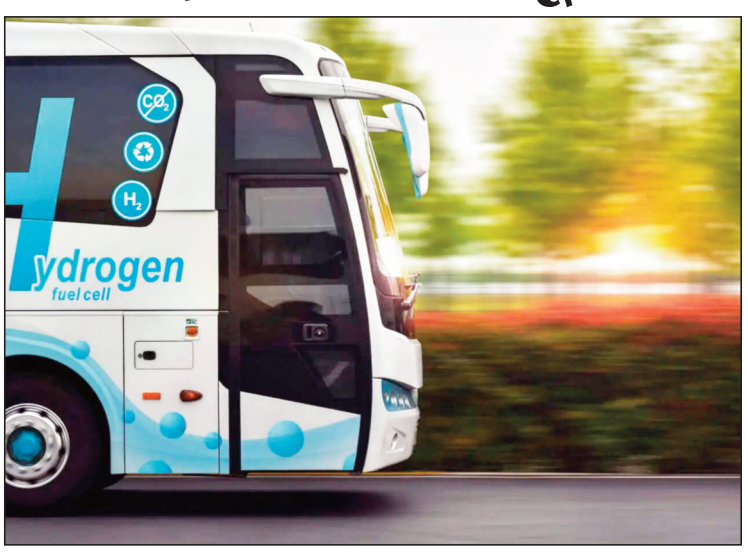

हाइड्रोजन बस के फायदे

पेट्रोल-डीजल गाड़ियों से प्रदूषण का स्तर लगातार बढ़ रहा है। ऐसे में हाइड्रोडजन वाली पहली बस की शुरुआत पॉल्यूशन को रोकने में मददगार हो सकता है। इधर, इलेक्ट्रिक गाड़ियों, इथेनॉल और दूसरे ऑप्शनल फ्यूल पर भी काम चल रहा है। ग्रीन हाइड्रोजन को रिन्यूवल एनर्जी सोर्स से तैयार किया जाता है। जिससे पॉल्यूशन कम होता है। यही कारण है कि इस फ्यूल को लो-कार्बन फ्यूल कहा जाता है। आने वाले 20 साल में भारत दुनिया की 25 प्रतिशत यानी एक चौथाई एनर्जी की डिमांड करने वाला देश बन जाएगा। ऑप्शनल फ्यूल के इस्तेमाल के बाद देश आने वाले समय में ग्रीन हाइड्रोजन के एक्सपोर्ट में सबसे आगे रहेगा।साल 2050 तक ग्लोबल हाइड्रोजन की डिमांड चार से सात गुना बढ़ने की उम्मीद है। घरेलू ग्रीन हाइड्रोजन की डिमांड भी 28 मीट्रिक टन तक जा सकती है।

संक्षिप्त खबरें

हर घर को नल से दिसंबर तक जोड़े : डीएम दीक्षित

नई टिहरी। डीएम मयूर दीक्षित ने जल जीवन मिशन से जुड़े विभागों की बैठक लेकर योजना के तहत जल संयोजन के कार्यों की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति की समीक्षा की गई। जिला सभागार में आहूत बैठक में डीएम ने जल जीवन मिशन से जुड़े सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिये कि दिसम्बर, 2023 तक हर घर जल पहुंचाने का कार्य पूर्ण करने को रिसोर्स बढ़ाते काम पूरा करना सुनिश्चित करें। कहा कि अधिकारी सभी योजनाओं का रोस्टर बनाकर फील्ड में जाकर मानिटरिंग करते रहें, कार्यों में कहीं कोई लापरवाही एवं शिकायत न आने पाये। स्कूल एवं आंगनवाडियों में थ्री टेप कनेक्शन अवश्य लगे हों। सभी डिविजन फेज-1 के कार्य 15 अक्टूबर, 2023 तक पूर्ण करना सुनिश्चित करें। जल जीवन मिशन के तहत कार्य कर रहे ठेकेदारों के साथ तीन दिन के अन्दर बैठक आयोजित करना सुनिश्चित करें। कहा कि कार्यों की गुणवता में कोई समझौता नहीं होना चाहिए। जो ठेकेदार कार्यों में लापरवाही अथवा धांधली करता है, उसे ब्लैकलिस्ट करें। डीएम ने जल जीवन मिशन स्कीम के कार्यों की जांच कर रहे थर्ड पार्टी के अधिकारियों से कहा कि अगले 30 साल तक योजना का लाभ मिलता रहे, इस प्रकार विस्तृत जांच करें। जल गुणवत्ता प्रबन्धन प्रणाली के तहत स्कूल एवं आंगनवाड़ी केन्द्रों में परीक्षण एवं निगरानी को समय निर्धारित कर कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिये। बैठक में सीडीओ मनीष कुमार, डीडीओ सुनील कुमार, एसई जल निगम राजेश, डीपीआरओ एमएम खान, डीईओ बेसिक वीके ढौंडियाल, ईई जल संस्थान प्रशान्त भारद्वाज, केएन सेमवाल, आलोक कुमार, जीतमणि, प्रवीन शाह, राजेश सिंह, नरेश पाल सिंह, थर्ड पार्टी टीपीआई (ईएलआई) से मंयक पाण्डेय, शुभम शर्मा आदि मौजूद रहे।

चंबा के लोगों को स्वच्छता प्रति जागरुक किया

नई टिहरी। नगर पालिका चंबा की ओर से स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा के तहत बीते 15 सितंबर से पालिका क्षेत्र के विभिन्न वार्डों में जागरुकता कार्यक्रम चलाया जा रहा है। अभियान का समापन दो अक्तूबर को होगा। स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम के तहत चंबा पालिका क्षेत्र के लोगों को सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग पूर्ण रुप से बंद करने तथा नगर को स्वच्छ रखने को लेकर रैली और नुक्कड़ नाटक से जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। राबाइंका चंबा, स्वामी विवेकानंद स्कूल, मॉर्डन स्कालर्स एकेडमी के छात्र-छात्राओं ने नगर में रैली निकलकर लोगों से नगर को स्वच्छ रखने की अपील की। रैली समापन के बाद छात्राओं ने मुख्य चौराहे पर नुक्कड़ नाटक के माध्यम से सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग न करने की लोगों से अपील की। पालिकाध्यक्ष सुमना रमोला ने कहा कि पालिका की ओर से समय समय पर नगर में स्वच्छता अभियान चलाकर लोगों को जागरुक किया जाता है, उन्होंने लोगों से सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग पूर्ण रुप से बंद करने की अपील की। मौके पर सोमवारी लाल सकलानी, ईओ यूडी तिवारी, रघुवीर रावत, विजय लक्ष्मी, सुनैना शाह, शक्ति जोशी, राजवीर पंवार, कृष्ण सेमवाल, ओपी तिवाड़ी, गबर बिष्ट, पवन सेमवाल, हरीश मणी, सीमा, प्रमिला, अनुज, शरद पुंडीर, मोहित भंडारी, पंकज नेगी, किरन खंडूरी, बिजेंद्र रावत, मनीष सलानी, पंकज जोशी आदि शामिल थे।

देश के जाने माने पत्रकार सरफ़राज़ सैफी राष्ट्रीय चेतना अवार्ड 2023 से सम्मानित

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 26 सितंबर , दुनियाभर के 140 देशों तक जिस संस्था का विस्तार हो... दुनियाभर के प्रबुद्ध लोगों की जिस जगह पर मौजूदगी हो, सुकून और शांति की किरणें जहां से पूरी दुनिया को नई दिशा दे रही हो ऐसे ब्रह्मकुमारीज मंच पर जगह मिलना और सम्मानित होना अलग ही अनुभव होता है। माउंट आबू में ब्रह्माकुमारी सेंटर में Global Summit 2023 के खास मौके पर सरफराज सैफी को उनके दो दशक के पत्रकारिता योगदान के लिए राष्ट्रीय चेतना अवार्ड 2023 से सम्मानित किया गया ये अवार्ड मोदी सरकार के मंत्री भगवंत खुबा ने दिया इस कार्यक्रम में राजयोगी डॉ वीके मृत्युंजय, राज योगी वीके निर्भर भाई, राजयोगिनी वीके मोहिनी, राज योगिनी वीके जयंती ,बीके शिवानी जी, असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा, पूर्व केंद्रीय मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक, उत्तराखंड के शिक्षा और स्वास्थ्य मंत्री धन सिंह रावत, यूपी सरकार के कैबिनेट मंत्री धर्मपाल सिंह ,नेपाल सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस नहाकुल सुबेदी से लेकर कई देशों के एंबेसडर,भारी तादात में लोगों की मौजूदगी रही

जोशीमठ में नहीं बना सकेंगे नया मकान रिपोर्ट में खुलासा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 26 सितंबर , उत्तराखंड के जोशीमठ पर राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने एक 130 पेज की रिपोर्ट सबमिट की है. एनडीआरएफ ने जोशीमठ पर धंसने के संकट के बाद पीडीएनए रिपोर्ट यानी 'पोस्ट डिजास्टर नीड असेसमेंट' में लिखा है कि जोशीमठ को अब 'नो न्यू कंस्ट्रक्शन जोन' घोषित करना चाहिए. जोशीमठ पर अभी तक कुल आठ रिपोर्ट्स सबमिट की जा चुकी हैं. इन रिपोर्ट्स को राज्य सरकार ने पिछले कई महीनों से सार्वजनिक नहीं किया था.उत्तराखंड के हाई कोर्ट ने राज्य सरकार के इन रिपोर्ट्स को प्राइवेट रखने के फैसले पर सवाल उठाए थे. इसके बाद यह रिपोर्ट्स सामने आई हैं. टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक जनवरी में आठ संस्थानों को जोशीमठ और आस-पास के इलाकों में जमीन के धंसने पर रिपोर्ट तैयार करने को कहा गया था. इन संस्थानों को इस तरह की आपदा से निजात पाने के लिए उपाय बताने को भी कहा गया था.बता दें कि कुछ महीनों पहले ही जोशीमठ में जमीन धंसने की वजह से पूरे शहर का भविष्य संकट में आ गया था. पहाड़ी शहर वैसे तो अपने खूबसूरती के लिए बहुत फेमस था लेकिन जमीन के धंसने की घटना से यहां पर कई मकानों में दरारें पड़ गई थीं और आम लोगों को खतरे वाले घरों से निकालकर

सुरक्षित शेल्टर्स में शिफ्ट किया गया था. वहीं कुछ बिल्डिंग जो कि खतरे को जन्म दे सकती थीं, उन्हें गिराया गया था.इन संस्थानों ने जनवरी के आखिरी में ही अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट एनडीआरएफ को सौंप दी थी. इन्ही रिपोर्ट्स को राज्य सरकार को सौंपा गया था लेकिन कभी सार्वजनिक नहीं किया गया. हाई कोर्ट के दखल के बाद इन रिपोर्ट्स को राज्य सरकार ने एक सीलबंद लिफाफे में हाई कोर्ट के विचार के लिए पहुंचाया. रिपोर्ट्स के मुताबिक जोशीमठ के मकानों की खराब डिजाइन, मिट्टी की वहन क्षमता पर केंद्रित है. रिपोर्ट्स में मेंशन है कि यह

क्यों नहीं खाने चाहिए चाय के साथ ड्राई फ्रूट्स

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 26 सितंबर , भारत के अधिकांश घरों में चाय एक प्रमुख पेय पदार्थ बन गई है. चाहे घर में कोई रिश्तेदार आया हो, निजी या सार्वजनिक कोई बड़ा आयोजन हो या घर पर सुबह नाश्ता ही करना हो, या शाम को दोपहर बाद हल्के स्नैक्स लेने हों, सभी में चाय कॉमन है.

चाय के फायदे भी हैं कि यह थकान को मिटाकर तुरंत स्फूर्ति पैदा कर देती है लेकिन इसके कुछ नुकसानों के बारे में भी लोग जानते हैं, यही वजह है कि चाय को हेल्दी बनाने के लिए बहुत सारे लोग चाय के साथ ड्राई फ्रूट्स और नट्स खाते हैं. उन्हें लगता है कि चाय के साथ ड्राई फ्रूट्स खाने से इन दोनों का फायदा शरीर में पहुंचेगा लेकिन आपको बता दें कि ऐसी गलती भूलकर भी न करें तो बेहतर होगा.

आपको जानकर हैरानी होगी कि चाय के साथ ड्राई फ्रूट्स खाने से आप चाय की खराब चीजों को तो अपने अंदर ले ही रहे होते हैं साथ ही ड्राई फ्रूट्स के न्यूट्रिएंट्स के साथ भी

खिलबाड़ कर रहे होते हैं. चाय के साथ ड्राई फ्रूट्स खाने से सूखे मेवों में मौजूद पोषण तत्व शरीर में नहीं पहुंच पाते, उल्टा ये कई बीमारियों को न्यौता दे देते हैं.चाय में टैनिन सबसे ज्यादा मात्रा में होता है. इसका प्रमुख काम है आयरन की मात्रा को शरीर में पहुंचने से रोकना. जबकि अधिकांश नट्स या ड्राईफ्रूट्स आयरन में रिच होते हैं. बादाम में खासतौर पर बहुत आयरन होता है. वहीं हमारे शरीर के लिए आयरन बेहद जरूरी है क्योंकि शरीर में खून की पर्याप्तता आयरन की वजह से ही होती है. ऐसे में अगर कोई व्यक्ति चाय के साथ बादाम आदि नट्स और ड्राई फ्रूट्स खाता है तो इनको खाने का कोई भी फायदा शरीर में नहीं पहुंच पाता. सूखे मेवों से मिलने वाले फायदे टैनिन की वजह से रुक जाते हैं.

अभिषेक ने पहले प्रयास में पास की एमबीबीएस परीक्षा

नई टिहरी। देवप्रयाग ब्लॉक की पट्टी भरपूर के चौण्ड गांव निवासी अभिषेक पाण्डेय ने पहले ही प्रयास में ही एमबीबीएस परीक्षा उत्तीर्ण कर क्षेत्र का मान बढ़ाया है। अभिषेक ने राजकीय मेडिकल कॉलेज अल्मोड़ा में प्रवेश लिया है। राइंका हिसिरियाखाल में गणित प्रवक्ता डॉ. हर्षमणी पांडेय के पुत्र अभिषेक पाण्डेय ने इसी वर्ष 12 वीं कक्षा में श्रीनगर गढ़वाल में संचालित सभी सीबीएसई विद्यालयों में सर्वोच्च अंक प्राप्त किये थे। अभिषेक पाण्डेय ने मेडिकल क्षेत्र में जाकर सेवा समाज करने का जी संकल्प लिया था, वह आखिर साकार कर दिखाया है। अभिषेक की माता रजनी पाण्डेय भी राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, देवीधार में विज्ञान अध्यापिका हैं। केंद्रीय विद्यालय के छात्र रहे अभिषेक ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, परिवार के सदस्यों व शिक्षकों को दिया है।

टिहरी बांध की झील में पर्यटकों के लिये सुविधा बढ़ाने की मांग

नई टिहरी। श्री गंगा भागीरथी बोट संचालन समिति कोटी कॉलोनी ने पर्यटकों की सुविधा के लिये विभिन्न समस्याओं के संबंध में डीएम को मांग पत्र सौंपा। उन्होंने सभी मांगों पर उचित कार्यवाही की मांग की है। श्री गंगा भागीरथी बोट संचालक समिति के अध्यक्ष विरेन्द्र नेगी ने कहा टिहरी बांध की झील में वर्ष 2013 से हर वर्ष वाटर स्पोर्ट्स का संचालन होता आ है। लेकिन पर्यटकों के लिये मुलभूत सुविधाओं का आभाव बना है। समिति अध्यक्ष टिहरी बांध में आने वाले पर्यटकों के लिये पीने के पानी की उचित व्यवस्था करने, कोटी कॉलोनी में किसी भी बैंक शाखा का एटीएम शुरु करने, झील के पास बनी 14 दुकानों को बोट यूनियन के साथ स्थानीय व्यापारियों देने की मांग की है।

शादाब शम्स पकिस्तान भेजेंगे दरगार से गंगाजल और गीता

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 26 सितंबर , उत्तराखंड वक्फ बोर्ड के ने एक बार फिर अनोखा फैसला लिया है। बोर्ड के सदर जनाब शादाब शम्स ने पहले मदरसे में संस्कृत पढ़ाने की बात कही और अब उन्होंने दरगार से गंगाजल और गीता सीधे पकिस्तान भेजने का फरमान दिया है। जी हाँ , सही पढ़ा आपने भाजपा प्रवक्ता से नेता बने शादाब अब पीएम और सीएम से भी आगे बढ़कर अमन का पैगाम देने की बात करते हुए पकिस्तानी मेहमानों को गीता और गंगाजल देकर पकिस्तान भेजेंगे। लेकिन सवाल है कि इस तोहफे पर खुद पाकिस्तानी ज़ायरीन कैसा रुख दिखाएंगे और उनकी इस अनोखे तोहफे पर क्या प्रतिक्रिया होगी ?

उत्तराखंड में पिरान कलियर शरीफ में हजरत साबिर मखदूम शाह के 755 वां उर्स में पाकिस्तान से आने वाले जायरीनों को एक-एक भगवद गीता और गंगाजल की गैलन दी जाएगी.मकसद है इससे गंगा जमुना तहज़ीब को बढ़ावा मिलेगा ताकि वह इसे ले जाकर अपने देश में वहां के मंदिरों में दे सकें. आपको बता दें कि उत्तराखंड में पांचवें धाम के नाम से मशहूर साबिर मखदूम शाह की दरगाह हरिद्वार जिले के कलियर में मौजूद है. यह दरगाह 755 साल से भी ज्यादा पुरानी है. दरगाह की मान्यता न केवल देश बल्कि दुनिया के कई देश में है. बताया जाता है कि हर साल पाकिस्तान से भी सैकड़ों लोग इस दरगाह पर उर्स के मौके पर अपनी आस्था के कारण यहां पहुंचते हैं. बताया जा रहा है कि अब तक 110 लोगों ने यहां आने के लिए पंजीकरण कराया है.यहां पर हर साल दुनिया के कई कोनों से जायरीन आते हैं इन्हीं में बांग्लादेश पाकिस्तान और साउथ अफ्रीका जैसे देश भी शामिल हैं. उत्तराखंड वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष शादाब शम्स ने बताया कि उन्होंने मोहब्बत का पैगाम देने की पहल की है. पूरी दुनिया एक परिवार है इसका संदेश भी हम दे रहे है. शादाब शम्स ने कहा है कि हम उर्स के मौके पर पाकिस्तान से आने वाले तमाम पाकिस्तानियों को गीता और गंगाजल देंगे ताकि वह इसे ले जाकर अपने देश के मंदिरों में दे सकें.

लेकिन सवाल ये उठता है कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर जब भारत सरकार और खुद पीएम मोदी पकिस्तान से जुड़े रिश्तों पर फूंक फूंक कर कदम बढ़ा रहे हैं तो ऐसे में भाजपा नेता को भला क्या सूझी कि उन्होंने ऐसी तरकीब निकाली जो सीधे दो मुल्कों के मज़हब ,आस्था और मंदिर मस्जिद से जुडी हो ? देखना दिलचस्प होगा कि कितनी गीता और गंगाजल के गैलन को शादाब शम्स बॉर्डर पार करा पाएंगे ।

अब 'बिकिनी' लॉन्च करके नया इतिहास रचेगा इसरो

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

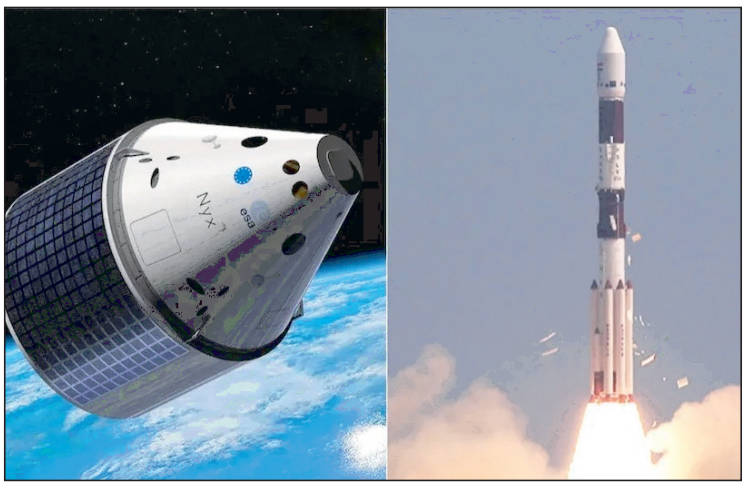

ब्यूरो रिपोर्ट , 26 सितंबर , यूरोपियन स्पेसक्राफ्ट बिकिनी को इसरो के पीएसएलवी रॉकेट से लॉन्च किया जाएगा. इसरो का रॉकेट यूरोपियन स्पेसक्राफ्ट को धरती से 500 किलोमीटर ऊपर तक ले जाएगा और वहां से छोड़ेगा.भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) अगले साल बिकिनी स्पेसक्रॉफ्ट लॉन्च करेगा. इस स्पेसक्राफ्ट का वजन 40 किलो है. यह स्पेसक्राफ्ट बड़े रीयूजेबल री-एंट्री मॉड्यूल निक्स का छोटा रूप है. यूरोपियन स्टार्टअप द एक्सप्लोरेशन कंपनी के इस री-एंट्री व्हीकल को खास मकसद से अंतरिक्ष में भेजा जाएगा. इसे 120 से 140 किलोमीटर की ऊंचाई पर ले जाने के बाद छोड़ा जाएगा.

क्या है मिशन बिकिनी ?

यूरोपियन स्पेस स्टार्टअप द एक्सप्लोरेशन कंपनी अंतरिक्ष में नई संभावनाओं पर काम कर रही है. यूरोपियन स्टार्टअप चाहता है, अंतरिक्ष में डिलीवरी की व्यवस्था की जा सके. अगले साल जनवरी में इस मिशन को लॉन्च किया जाएगा. अगर यह मिशन सफल होता तो अंतरिक्ष में कॉमर्शियल उड़ान का रास्ता साफ हो सकेगा. आसान भाषा में समझें तो अंतरिक्ष तक सामान पहुंचाना आसान हो सकेगा. मिशन की सफलता अंतरिक्ष में सस्ती डिलीवरी का रास्ता खोलेगी.इस मिशन के जरिए जो जानकारी और डाटा मिलेगा, जिसकी मदद से री-एंट्री और रिकवरी टेक्नोलॉजी को विकसित किया जाएगा.

कैसे पूरा होगा मिशन?

यूरोपियन स्पेसक्राफ्ट बिकिनी को इसरो के पीएसएलवी रॉकेट से लॉन्च किया जाएगा. इसरो का रॉकेट यूरोपियन स्पेसक्राफ्ट को धरती से 500 किलोमीटर ऊपर तक ले जाएगा और वहां से छोड़ेगा. इसके बाद ये धरती की तरफ वापस लौटेगा. धरती पर वापसी के दौरान वैज्ञानिक कई तरह की जांच और पड़ताल करेंगे. वायुमंडल को पार करते हुए जब यह समुद्र में गिरेगा. इस मिशन से वैज्ञानिक यह समझ पाएंगे कि किसी भी चीज को अंतरिक्ष तक पहुंचाने में कितनी चुनौतियां हैं.

इस मिशन से एक बार फिर दुनिया में भारत की धाक बढ़ेगी. दरअसल, पहले इस मिशन की जिम्मेदारी यूरोपियन कंपनी एरियन स्पेस को दी जा जानी थी, लेकिन भारतीय न्यूस्पेस कंपनी इसे हासिल करने में सफल रही. दरअसल, एरियन स्पेस के जिस रॉकेट से बिकिनी स्पेसक्राफ्ट को लॉन्च किया जाना था उसमें देरी हो रही थी. इसलिए इसे लॉन्च करने की जिम्मेदारी इसरो को मिली.

मदन नेगी क्षेत्र के ताडूनाला के ग्रामीणों ने मांगा विस्थापन

नई टिहरी। टिहरी बांध की झील से मदन नेगी क्षेत्र के ताडूनाला ग्रामीणों ने संपाशिर्वक क्षति नीति के तहत विस्थापन की मांग की है। ग्रामीणों ने बताया झील के जल स्तर में उतार चढ़ाव के कारण उनके घरों के आसपास भूस्खलन होने से उनके भवनों में दरारें पड़ गई है। सोमवार को मदन नेगी क्षेत्र के ताडू नाला तोक के 32 परिवारों ने संपाशिर्वक क्षति नीति के तहत विस्थापन की मांग की है। क्षेत्र के सामाजिक कार्यकर्ता सागर भंडारी ने बताया कि वह 2013 से ग्रामीण विस्थापन की मांग करते आ रहे है। लेकिन उनकी मांग पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। कहा टिहरी बांध के झील के जलस्तर प्रत्येक वर्ष उतार चढ़ाव होने के कारण क्षेत्र में भूस्खलन हो रहा है, जिससे उनके भवनों को क्षतिग्रस्त होने का खतरा पैदा हो गया है। बताया वर्ष 2011 में ताडूनाला तोक की भूमि दरारें पड़ गई थी,जो धीरे धीरे बड़ी हो रही है। कहा क्षेत्र में भूस्खलन के कारण कभी भी बड़ी घटना हो सकती है। उन्होंने पुनर्वास निदेशक से संपाशिर्वक क्षति नीति के तहत गांव के 32 परिवारों के विस्थापन की मांग की है। ग्रामीणों ने कहा कि जल्द उनकी समस्या का समाधान नहीं होता है,ग्रामीणों को आंदोलन के लिये बाध्य होना पड़ेगा। ज्ञापन देने वालों में गजेन्द्र भंडारी, बलवीर नेगी, अमित न्यूली, सुरेंद्र दत्त, सबल सिंह, बृद्धि राम, पुरुषोत्तम दत्त, भगवती प्रसाद आदि शामिल थे।

जयंती पर पं0 दीनदयाल को भावभीनी श्रद्धांजलि दी

नई टिहरी। पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर जिला भाजपा कार्यालय में उन्हें याद कर पुष्प अर्पित करते हुए भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। इस मौके पर वक्ताओं ने उनके जीवन वृत पर प्रकाश डालते हुए उन्हें विचारों का अनुसरण करने की अपील की। पं उपाध्याय को याद करते हुए टिहरी विधायक किशोर उपाध्याय ने कहा कि उपाध्याय का जीवन जन सेवा के लिए समर्पित रहा। अंतिम पायदान के व्यक्ति के लिए उन्होंने हमेशा संघर्ष किया। भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश नौटियाल ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय का जन्म 25 सितम्बर 1916 को मथुरा जिले के नगला चन्द्रभान ग्राम में हुआ था। उनके जन्म दिवस को अंत्योदय दिवस के रूप में मनाया जाता है। मंडल अध्यक्ष गोपी राम चमोली ने कहा कि पंडित उपाध्याय का कहना था कि अवसरवाद से राजनीति के प्रति लोगो का विश्वास खत्म होता जा रहा है।

संक्षिप्त खबरें

रंगारंग कार्यक्रमों के साथ शरदकालीन खेलकूद प्रतियोगिता संपन्न

चमोली। दो दिवसीय ब्लाक स्तरीय शरदकालीन खेलकूद प्रतियोगिता का रा0इ0का0 नारायणबगड़ के प्रांगण में रंगारंग कार्यक्रम के साथ समापन हो गया है। इस अवसर पर खण्ड शिक्षा अधिकारी खुशाल सिहं टोलिया के द्वारा विजेता एवं उपविजेता टीमों को प्रथम, द्वितीय स्थान के साथ पुरुष्कृत किया गया, इस अवसर पर प्रतियोगिता के संयोजक बीरेंद्र सिंह नेगी के द्वारा सभी खिलाडियों का उत्साह वर्धन किया गया एवं खिलाडियों को खेलों के महत्व के साथ-साथ उन्हें अनुशासित होकर खेलने के लिए प्रेरित किया, अण्डर-19 बालक वर्ग कबड्डी में जनता इंटर कालेज बूंगा नैणी ने रा0इ0 का0 नारायणबगड़ को 23-21 से हराकर बालक वर्ग की प्रतियोगिता को अपने नाम किया। अंडर -17 बालिका बर्ग खो-खो में रा0 इ0 का0 भगवती ने रा0 बा0 इ0 कालेज नारायणबगड़ को हराकर बालिका वर्ग की प्रतियोगिता अपने नाम जीती, इस अवसर पर ब्लाक क्रीड़ा प्रभारी बसंती फरस्वान , सह प्रभारी देवेन्द्र कुमार, अनूप रावत, भुवेन्द्र बिष्ट, हरेंद्र सिंह, संतोष फोनियां, दीपक नेगी एवं विभिन्न विद्यालयों से आये समस्त व्यायाम शिक्षक एवं शिक्षिका उपस्थित रहीं, मंच संचालन चिन्तामणि देवराड़ी एवं भरत सिंह नेगी के द्वारा किया गया।

पुलिस ने ग्राम प्रहरियों से किया संवाद

रुद्रप्रयाग। कोतवाली रुद्रप्रयाग क्षेत्र के ग्राम प्रहरियों के साथ पुलिस उपाधीक्षक ने संवाद स्थापित कर जरूरी दिशा-निर्देश दिए। गांव में होने वाली संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी समय से संबंधित थाना में देने के निर्देश दिए। ताकि समय से कार्यवाही की जा जा सके। पुलिस उपाधीक्षक प्रबोध कुमार घिल्डियाल ने राजस्व क्षेत्र से नियमित पुलिस क्षेत्र में सम्मिलित गांवों में नियुक्त किए गए ग्राम प्रहरियों के साथ संवाद किया। उनके द्वारा किए जा रहे कार्यों की जानकारी ली। इस दौरान उनके दायित्वों से अवगत कराते हुए गांव में होने वाली संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी समय से सम्बन्धित थाना-चौकी में देने के लिए निर्देशित किया। सभी ग्राम प्रहरियों को अपने थाना चौकी के प्रभारियों और बीट आरक्षी का मोबाइल नम्बर अपने पास रखने और सूचनाओं का आदान-प्रदान जैसे शराब बेचने वाले, लड़ाई झगड़ा करने, गांव में फेरी वाले का पुलिस सत्यापन चेक करने और सत्यापन न पाए जाने पर उनकी सूचना देने तथा संदिग्ध व्यक्ति की सूचना देकर समय से कार्रवई करवाने के निर्देश दिए गए। कहा कि कर्तव्य निर्वहन के दौरान कभी भी कोई परेशानी होती है, तो निःसंकोच उसकी सूचना उच्चाधिकारियों को दें।

वेतन न मिला तो अक्तूबर से आंदोलन करेंगे प्रयोगशाला सहायक

रुद्रप्रयाग। प्रयोगशाला सहायक एवं कॉलेज सहायकों ने 6 माह से वेतन न मिलने को लेकर आक्रोश व्यक्त किया है। कहा कि इससे कार्मिकों को आर्थिक दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने सरकार से शीघ्र वेतन देने की मांग की है। प्रयोगशाला सहायक के साथ ही प्रयोगशाला सहायक पब्लिक कार्यालय सहायक के सामने कई समस्याएं सामने आ रही हैं। कई कार्मिक किराये पर कमरा लेकर रह रहे हैं जबकि कमरे का किराया और बच्चों की फीस और दूध का बिल देने में भी सक्षम नहीं है। जिससे उनके सामने बड़ी मुश्किलें पैदा हो गई है। प्रयोगशाला सहायक पब्लिक कार्यालय सहायक संगठन के प्रदेश अध्यक्ष जीतराम पौंठियाल ने मांग की है कि प्रदेश की प्रयोगशाला सहायक 6 माह से बिना वेतन के काम चला रहे हैं। इन कार्मिकों के परिवार के सदस्य भी वेतन न मिलने से परेशान हैं। बावजूद सरकार उनकी कोई सुध नहीं ले रही है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि कार्मिकों को वेतन देने की व्यवस्था नहीं की गई तो अक्तूबर में प्रयोगशाला सहायक एवं कार्यालय सहायकों प्रदेशव्यापारी आंदोलन के लिए मजबूर होंगे।

सहायक निबंधक को शाम तक किराया भुगतान के दिए निर्देश

नई टिहरी। जिला सभागार में आयोजित जनता दरबार में डीएम मयूर दीक्षित ने आम लोगों की 60 शिकायतों का मौके पर निस्तारण करते हुए कहा कि अधिकारी जनता की समस्याओं के निस्तारण में पूरी अभिरूचि दिखायें। सोमवार को आयोजित जनता दरबार में सुमन कालोनी चम्बा निवासी पन्ना लाल ने सुमन कालोनी क्षेत्र में उनके मकान के बायीं ओर बरसाती नाले से हो रहे खतरे के मध्यनजर नाली निर्माण की मांग की।

गौचर मेले की तैयारियां हुई शुरू

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

चमोली। ऐतिहासिक गौचर मेले की तैयारियां प्रारंभ हो गई है। उत्तराखंड की संस्कृति, बाजार और उद्योग तीनों के समन्वय से सात दिनों तक चलने वाला गौचर का लोकप्रिय मेला 14 नवंबर से शुरू होगा। राजकीय औद्योगिक विकास एवं सांस्कृतिक गौचर मेले की तैयारियों को लेकर सोमवार को जिलाधिकारी/मेला अध्यक्ष हिमांशु खुराना की अध्यक्षता में राइका गौचर सभागार पहली बैठक हुई। जिसमें मेले को भव्य स्वरूप देने एवं मेले के सफल आयोजन हेतु जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, गणमान्य नागरिकों एवं स्थानीय लोगों से महत्वपूर्ण सुझाव लिए गए। मेले के आयोजन के संबंध में विभिन्न विभागों के साथ जरूरी व्यवस्थाओं पर विचार-विमर्श भी किया गया।

जिलाधिकारी/मेला अध्यक्ष ने कहा कि गौचर मेला हमारी सांस्कृतिक धरोहर है। अपनी संस्कृति को संरक्षित रखने हेतु इस राजकीय मेले में स्थानीय कलाकारों के साथ-साथ बाहरी जनपदों एवं राज्यों के कलाकारों को भी सम्मिलित किया जाना चाहिए। ताकि सभी के अनुभव एवं विचारों के साथ हम निरंतर विकास की ओर अग्रसर हो सके और गौचर मेले की ख्याति राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विख्यात हो सके। उन्होंने कहा कि गौचर मेले के सफल आयोजन के लिए हमें स्वच्छता, संस्कृति, स्वरोजगार और सौन्दर्यीकरण पर विशेष ध्यान देना चाहिए। जिलाधिकारी ने कहा कि जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों एवं स्थानीय लोगों के सुझावों को मेला समिति में रखकर गम्भीरता से विचार किया जाएगा और सबके सहयोग से मेले को आकर्षक एवं भव्य ढंग से आयोजन कराया जाएगा। मेले में उच्च स्तरीय सांस्कृतिक कार्यक्रम व खेलकूद प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। मेले के दौरान गौचर बाजार और क्षेत्र का विशेष सौन्दर्यीकरण, नगर में पार्किंग, परिवहन, साफ-सफाई एवं सुरक्षा के सभी इंतेजाम किए जाएंगे। जिलाधिकारी ने एसडीएम/मेला अधिकारी को मेला समिति के अन्तर्गत शीघ्र सभी समितियों का गठन करने के निर्देश दिए। कहा कि समितियों के दायित्व निर्धारित करते हुए जिम्मेदारी तय की जाए।

मेला अधिकारी/उप जिलाधिकारी कमलेश मेहता ने मेले की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालते हुए मेले के सफल आयोजन हेतु सभी लोगों से सहयोग की अपील की। कहा कि सभी लोगों के सुझावों पर गम्भीरता से विचार किया जाएगा। इस दौरान उन्होंने विगत गौचर मेले के आय-व्यय विवरण के बारे में विस्तार से जानकारी भी दी। बैठक में जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, गणमान्य नागरिकों एवं स्थानीय लोगों ने मेले के भव्य एवं सफल आयोजन के लिए अपने-अपने सुझाव रखे। मेले में सांस्कृतिक कार्यक्रमों में स्थानीय लोगों को मौका देने, मेले में लगने वाले स्टॉल एवं दुकानों का शुल्क निर्धारण एवं स्थानीय व्यापारियों को वरीयता देने, मेले में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को सम्मानित करने, महिला मंगल दलों को अवसर देने, खेलकूद प्रतियोगिताओं का स्तर आगे बढाने, नगर में पार्किंग व सुरक्षा की समुचित व्यवस्था करने के संबंध में महत्वपूर्ण सुझाव दिए।

एक तारीख, दस बजे, एक घण्टा' श्रमदान करने की अपील से जुड़िये

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 26 सितंबर , राज्य में स्वच्छता ही सेवा पखवाड़े के अन्तर्गत 1 अक्टूबर 2023 को प्रातः 10 बजें समस्त शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में जनसमुदाय के सहयोग से एक साथ किया जायेगा वृहद स्वच्छता श्रमदान। 15 सितम्बर 2023 से 02 अक्टूबर 2023 तक पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, जल शक्ति मंत्रालय तथा आवास एवं शहरी विकास मंत्रालय भारत सरकार के स्तर से संयुक्त तत्वाधान में आयोजित ''स्वच्छता ही सेवा'' पखवाड़े के अन्तर्गत '1 अक्टूबर 2023 को 1 घण्टा श्रमदान'' का आयोजन प्रातः 10 बजे राज्य के सभी ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में एक साथ वृहद स्तर पर आयोजित किया जायेगा।

निदेशक स्वजल/मिशन निदेशक स्वच्छ भारत मिशन (ग्रा) श्री कर्मेन्द्र सिंह द्वारा अवगत कराया गया कि स्वच्छता ही सेवा पखवाड़े के अन्तर्गत दिनांक 01 अक्टूबर 2023 को प्रातः 10 बजे एक साथ 'एक घण्टा वृहद श्रमदान' किये जाने हेतु सभी जनपदों के सम्बन्धित रेखीय विभागों द्वारा जिलाधिकारियों के मार्गदर्शन में स्पष्ट कार्ययोजना तैयार करते हुये 26 सितम्बर तक www.swachatahisewa.com पोर्टल पर अपलोड कर दिया जायेगी।

दिनांक 01 अक्टूबर 2023 को 01 घण्टा श्रमदान हेतु नगरीय निकायों में न्यूनतम 02 स्थल और प्रति ग्राम पंचायत में न्यूनतम 01 स्थल का चयन किया जाना है एवं प्रत्येक चयनित स्थल को एक विशिष्ट पहचान प्रदान करते हुये निर्धारित पोर्टल पर दिनांक 26 सितम्बर 2023 तक अपलोड किया जायेगा।पोर्टल पर अपलोड जानकारी के सम्बन्ध में विभिन्न संचार/सोशियल मीडिया माध्यमों से प्रचारित एवं प्रसारित भी किया जायेगा चयनित स्थलों की जानकारी एक मानचित्र के आधार पर अभियान में शामिल होने वाले नागरिक पोर्टल देखकर वे उन स्थलो पर अधिक से अधिक संख्या में श्रमदान कर सकेंगे।

निदेशक स्वजल/मिशन निदेशक स्वच्छ भारत मिशन(ग्रा0) द्वारा राज्य में उक्त अभियान में अधिक से अधिक प्रतिभाग किये जाने हेतु समस्त जन-प्रतिनिधियों, पंचायत प्रतिनिधियों, वरिष्ठ नागरिकों, स्वयं सेवी संगठनों, ग्राम स्तरीय संगठनों, ग्राम स्तरीय संगठनों, शहरी एवं ग्रामीण जनसमुदाय से अपील की गयी है।

संपादकीय

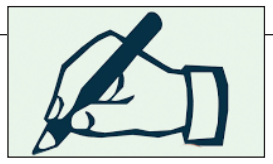

रोजगार के सवाल

भारत में बेरोजगारी और महंगाई सबसे अहम राष्ट्रीय मुद्दे हैं। विडंबना है कि इन मुद्दों पर अधिकतर जनादेश तय नहीं किए जाते। आजकल महिला आरक्षण की खूब गहमागहमी है। सामान्य आरक्षण भी ऐसा ही संवेदनशील मुद्दा है। आरक्षण से ज्यादा जरूरी रोजगार है, ताकि महिलाएं भी पीढ़ी-दर-पीढ़ी 'अवैतनिक कामकाजी' न रह सकें और औसत भारतीय आत्मनिर्भर बन सके। देश के प्रधानमंत्री मोदी भी आजकल क्रिकेट स्टेडियम का शिलान्यास करें या 'यशोभूमि' इवेंट कॉन्प्लैक्स का उद्घाटन करें अथवा किसी प्रदर्शनी में जाएं, तो वह हर जगह रोजगार की बढ़ोतरी के दावे करते हैं। देश में बड़े-बड़े राजमार्ग और एक्सप्रेस-वे भी बनाए जा रहे हैं, जाहिर है कि उनमें भी रोजगार पैदा होते होंगे। उनके निर्माण के समानांतर अन्य आर्थिक गतिविधियां भी बढ़ती हैं। बेशक हमारी अर्थव्यवस्था की विकास-दर करीब 8 फीसदी है, लेकिन प्रति व्यक्ति इसका औसत करीब 4.5 फीसदी ही है। कोरोना वैश्विक महामारी के बाद भारत की आर्थिकी ने बहुत तेज और सकारात्मक वापसी की है, लिहाजा 2021-22 में न केवल जीडीपी करीब 150 लाख करोड़ रुपए थी और बीते साल की अपेक्षा 9 फीसदी ज्यादा भी रही, बल्कि वह कोरोना-पूर्व के स्तर को भी लांघ गई। जीडीपी का अर्थशास्त्र कुछ भिन्न होता है, जिसे आम आदमी समझ नहीं पाता, लिहाजा आर्थिक विकास और सामान्य रोजगार की दर में गहरे विरोधाभास दिखाई देते हैं। कई अनुत्तरित सवाल भी निहित होते हैं। राजनीतिक सत्ताएं उनके जवाब नहीं देतीं। रोजगार भी ऐसा ही मुद्दा है, जो तमाम सकारात्मक आर्थिक विकास के बावजूद पूरी तरह संबोधित नहीं किया जा रहा है। हमारे देश में रोजगार, नौकरी और स्वरोजगार की अलग-अलग व्याख्याएं और कहानियां हैं। भारत सरकार की विभिन्न रपटों के डाटा से स्पष्ट है कि नौकरी के बाजार में लचीलापन या रोजगार की वापसी हुई है। सरकारों के अलावा, निजी क्षेत्र में भी बंपर रोजगार के अवसर विज्ञापित किए जा रहे हैं, लेकिन महिलाओं और युवा स्नातकों के लिए ये अवसर समूची अर्थव्यवस्था से पिछड़ गए हैं। कोरोना महामारी के बाद पुरुष और महिला कामगारों की दर बढ़ी है, लेकिन रोजगार का यह डाटा सतही तौर पर ही सुर्खियों में रहा है। यदि कामकाज के हालात सुधरे हैं, तो जाहिरा तौर पर बेरोजगारी की दर कम होनी चाहिए, लेकिन आज भी यह राष्ट्रीय दर 7-8 फीसदी के बीच झूल रही है। 2021-22 में बेरोजगारी दर करीब 6.6 फीसदी थी, जो 2019-20 की तुलना में करीब 2 फीसदी कम थी, लेकिन महिला रोजगार में बढ़ोतरी दिखाई जा रही थी। यह कैसी विसंगति थी? एक रपट बताती है कि महिला रोजगार में संरचनात्मक ह्रास हुआ है। इसी के विरोधाभास में बताया गया कि महिलाओं के स्वरोजगार के रुझान बढ़े हैं।

दैनिक न्यूज़ वायरस

संपादक : मौ.सलीम सैफी, **कार्यकारी संपादक :** आशीष कुमार तिवारी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से प्रकाशित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से मुद्रित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002, **RNI No. :** UT-THIN/2012/44094
Cert. Ser. No. : 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com
Website : www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

नैनीताल में ''शिप्रा नदी-स्वच्छता अभियान'' किया गया आयोजित

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

नैनीताल , 26 सितंबर , ''स्वच्छता ही सेवा-2023'' के अन्तर्गत कचरा मुक्त भारत एवं समग्र स्वच्छता की अवधारणा को प्राप्त किये जाने के मकसद से जिला प्रसाशन नैनीताल एवं जिला परियोजना प्रबन्धन इकाई स्वजल, नैनीताल द्वारा जनपद में विषेश स्वच्छता सफाई अभियान के अन्तर्गत ''शिप्रा नदी-स्वच्छता अभियान'' आयोजित किया गया। शिप्रा नदी की स्वच्छता का कार्य 11 सेक्टर में विभाजित किया गया, जिसमें विश्व प्रसिद्ध कैंची धाम में स्वच्छता अभियान चलाया गया तथा उपस्थित सभी प्रतिभागियों एवं दर्शनार्थियों को स्वच्छता शपथ दिलाई गयी। कार्यक्रम के सफल संचालन हेतु जनपद के विभिन्न विभागों के अधिकारियों को नोडल अधिकारी नामित किया गया, जिनके द्वारा कार्यक्रम का सफल संचालन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी, नैनीताल सहित जनपद के समस्त अधिकारियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। कार्यक्रम में जिला पंचायत के सदस्य, ग्राम पंचायत जनप्रतिनिधि, स्वयं सहायता समूह के सदस्य, स्वच्छाग्राही, आंगनवाड़ी एवं आशा कार्यकत्री, स्कूली छात्र/छात्राओं तथा ग्रामवासियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। कार्यक्रम के 11 सेक्टरों में लगभग 1500 लोगों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

बूथ सशक्तिकरण अभियान के तहत कार्यकर्ताओं का सत्यापन करेगी भाजपा

अल्मोड़ा। बूथ सशक्तिकरण अभियान के तहत भाजपा नगर मंडल की एक बैठक दीनदयाल उपाध्याय पार्क में आयोजित की गई। सोमवार को आयोजित बैठक को संबोधित करते हुए नगर मंडल के प्रवासी कार्यकर्ता गोविंद सिंह पिलख्वाल ने कहा कि प्रदेश नेतृत्व के निर्देशानुसार 25 सितम्बर से 8 अक्टूबर तक शक्ति केंद्रों के प्रवासी कार्यकर्ता नगर मंडल के प्रत्येक शक्ति केंद्र पर जाकर बूथ समिति व पन्ना प्रमुखों का ओटीपी के माध्यम से सत्यापन कर सरल एप में डाटा एंट्री करेंगे। जिसके माध्यम से बूथों के सभी कार्यकर्ताओं का सत्यापन कार्य किया जाएगा।

इस अवसर पर जिलाध्यक्ष रमेश बहुगुणा, जिला महामंत्री धर्मेंद्र बिष्ट, ललित दोसाद, मंडल प्रवासी कार्यकर्ता गोविंद सिंह पिलख्वाल, बद्रेश्वर शक्ति केंद्र कि प्रवासी अमित साह, लक्ष्मेश्वर शक्ति केंद्र के प्रवासी कैलाश गुरुरानी, बालेश्वर शक्ति केंद्र के प्रवासी विनीत बिष्ट, रामशिला शक्ति केंद्र के प्रवासी देवाशीष नेगी, नंदा देवी शक्ति केंद्र के प्रवासी धर्मवीर आर्य, राजपुरा शक्ति केंद्र के प्रवासी अजय वर्मा, मुरली मनोहर शक्ति केंद्र के प्रवासी दर्शन रावत सहित नगर मंडल के महामंत्री मनोज जोशी, सौरव वर्मा, दिनेश मठपाल, अर्जुन बिष्ट आदि उपस्थित थे।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर गोष्ठी आयोजित

अल्मोड़ा। भारतीय जनसंघ के संस्थापक सदस्य पंडित दीनदयाल उपाध्याय का 107वां जन्म दिवस पंडित दीनदयाल उपाध्याय पार्क पांडेखोला में उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर मनाया। उनके जन्मदिन पर एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें जागेश्वर विधान सभा से विधायक मोहन सिंह ने बताया कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने कहा था समाज के अंतिम छोर में खड़े व्यक्ति को विकास की मुख्य धारा में जोडना हम सब जिम्मेदारी है। जिलाध्यक्ष रमेश बहुगुणा ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय कहना था कि अगर हम एकता चाहते हैं तो हमें भारतीय राष्ट्रवाद को समझना होगा, उनका कहना था कि भारत की जान से जुड़ी राजनीति और समाज नीति ही देश के भाग्य को बदलने का समर्थ रखती है। जिलाध्यक्ष बहुगुणा ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जीवनी और उनके योगदान को बताया। कार्यक्रम में प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य सह- प्रभारी गोविन्द पिलख्वाल, पूर्व जिला अध्यक्ष अरविन्द बिष्ट, जिला उपाध्यक्ष कैलाश गुरुरानी, प्रकाश भट्ट, जिला महामंत्री धर्मेन्द्र बिष्ट, ललित मोहन दोसाद, जिला मंत्री महेश बिष्ट, संजय डालाकोटी, देवाशीष नेगी, नगर अध्यक्ष अमित साह मोनू, नगर महामंत्री मनोज जोशी, महिला मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष किरन पंत, नगर कोषाध्यक्ष दिनेश मठपाल, अल्पसंख्यक मोर्चा जिलाध्यक्ष राजा खान, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष लीला बोरा, महामंत्री रेखा आर्या, दर्शन रावत, नमो ऐप के जिला संयोजक कृष्ण बहादुर सिंह, सौरभ वर्मा, अजय वर्मा आदि लोग उपस्थित रहे।

जीआईसी हवालबाग के छात्र कमल भट्ट ने कुमाऊँ हाफ मैराथन में पाया पहला स्थान

अल्मोड़ा। राजकीय आदर्श इंटर कॉलेज हवालबाग के कक्षा 10 के छात्र कमल भट्ट ने अंडर 18 वर्ग में 5 किलोमीटर, कुमाऊँ हाफ मैराथन दौड़ में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। उन्हें इस दौड़ में विजेता रहने पर 7500 रुपये की नकद धनराशि प्रदान की गई है। कमल भट्ट की इस उपलब्धि पर विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. कपिल नयाल ने हर्ष व्यक्त किया है तथा और बच्चों से इससे प्रेरणा लेने को कहा है। कमल भट्ट को व्यायाम शिक्षक धन सिंह धौनी, संजय पांडे, टी.डी भट्ट, निर्मल कुमार पंत, प्रदीप सलाल, दिनेश चंद्र पपनै, प्रमोद पांडे, कमलेश जोशी, भगवत सिंह बगडवाल, नवीन वर्मा, सुनीता बोरा, भावना वर्मा, सुमन पाठक, हिमांती टम्टा, योगिता तिवारी, मोनिका जोशी, कविता जोशी व विक्रम ने बधाई दी है व भविष्य हेतु शुभकामनाएं दी हैं।

मशहूर चिकित्सक डॉ महेश कुड़ियाल का डेंगू पर पढ़िए विशेष साक्षात्कार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 26 सितंबर , उत्तराखंड में डेंगू के बढ़ते मरीज़ों और राज्य सरकार की तमाम कोशिशों के बावजूद लोग इस डंक से डरे हुए हैं। कैसे बचे इस बुखार से ? कैसे निकले बाहर और निपटाएं रोज़मर्रा के कामकाज ? अगर डेंगू हो भी जाए तो कैसे करें देखभाल और स्वास्थ्य लाभ ? इन्ही मौजूदा सवालों के साथ हिंदी दैनिक न्यूज़ वायरस ने ख़ास मुलाक़ात की प्रदेश के ख्यातिप्राप्त और कामयाब चिकित्सक डॉ महेश कुड़ियाल से और जाना कि किसी सामान्य व्यक्ति को अगर डेंगू से बचना या उसका इलाज़ करना है तो किस तरह की सलाह और सुझाव वो देंगे। तो ध्यान से पढ़िए हमारे सवाल और डॉ महेश कुड़ियाल के कारगर जवाब --

न्यूज़ वायरस का सवाल - 1 , डेंगू के क्या लक्षण है और इससे कैसे बचाव किया जा सकता है ?

डॉ महेश कुड़ियाल - डेंगू की बीमारी हम पिछले बहुत समय से सुनते आ रहे है डेंगू का जो बुखार चल रहा है , देखा जाता है ये एक एक साल छोड़कर आता हैं , जो सामान्य पब्लिक है उनके लिए बता दूँ की डेंगू बेसिकली मच्छर के काटने से होता है , ये एक फीमेल मच्छर होती है ये काटता तो मच्छर है लेकिन ये एक मनुष्य से दूसरे मनुष्य में वायरस ट्रांसलेट करता है तो बेसिकली जो वायरल बीमारी में होता है , जिसमे बुखार आना सर दर्द होना बदन दर्द होना ये मस्कुलर पेन होते है। ये कॉमन लक्षण है उनके लिए , फिर जैसे कमजोरी आ जाना भूख न लगना बहुत सारे लक्षण जो वायरल फीवर में मिलते है। अधिकतर बार कोल्ड हो जाता है जिसमे नाक बहती है , ये सब ज्यादा कोरोना टाइम पर होता था , लेकिन इसमें ऐसा नहीं है। इसमें सिर दर्द होना बुखार आना , बॉडी सेकुलर पेन होना ये ज्यादा होता है। डेंगू फीवर से हमें ज्यादा परेशानी नहीं होती पर दिक्कत उससे होती है जो प्लेटलेट कम हो जाती है। अगर डेंगू डे वन में भी आ गया तो उसका कोई इलाज नहीं होता ये सिस्टेमेटिक इलाज होता है। तो ऐसे में आपको हलके लक्षण महसूस होते ही तुरंत डॉक्टर दिखाना चाहिए।

न्यूज़ वायरस का सवाल 2 - वायरल फीवर में खानपान कैसा रखे ?

डॉ महेश कुड़ियाल - ऐसा खानपान करे जिससे आपकी इम्यूनिटी कम न हो , अगर आप ज्यादा तला हुआ खाना खाएंगे फ़ास्ट फ़ूड खाएंगे तो इससे आपके लिवर पर सूजन आएगी जिससे आपके शरीर में और ज्यादा बीमारी पैदा हो जाएगी , हल्का खाना खाए घर की रोटी और हरी सब्जी का ज्यादा इस्तमाल करे और फलफ्रूट खाए जिससे आपकी इम्यूनिटी बनी रहे। अगर आप वायरल फीवर में ड्रिंक करेंगे उससे आपको बहुत ज्यादा खतरा हो सकता है जिससे आपका लिवर काम करना बंद कर देगा इससे आपकी जान को खतरा हो सकता है।

न्यूज़ वायरस का सवाल - 3 डेंगू बच्चों में भी देखने को मिल रहा है , और बच्चे स्कूल भी जाते है तो इस बीच बच्चो का कैसे ख्याल रखना चाहिए और कैसे ड्रेस पहनकर बच्चे स्कूल जाए ?

डॉ महेश कुड़ियाल - इस समय मेन इशू है की आपकी जो आपकी बॉडी है वो ज्यादा एक्सपोज न हो। इस समय आप बाहर जाते हो तो अपने शरीर को पूरा कवर करके बाहर निकले , ताकि मच्छर काटने की संभावना कम हो और मच्छर से अपना बचाव करके रखे । खान पान में ऐसी चीजें न खाएं जिससे आपकी इम्यूनिटी कम हो और उसके साथ- साथ अपने घर के किसी भी कोने में पानी इकट्ठा होने ने दे और घरो के आसपास गंदगी होने न दे। दो कंडीशन में आपको हॉस्पिटल में ज़रूर दिखाना पड़ेगा जब आपकी प्लेटलेट 40 से 50 हजार तक कम हो रही हो तो आपको हॉस्पिटल जाना चाहिए , दूसरा अगर पेसेंट के अंदर ब्रेन के सिम्टन आरहे है। हमारे पास ऐसे पेसेंट आया जिनको वॉयरल फीवर था डेंगू पॉजिटव था उसके बाद उसको डोरा आगया उसके बाद ब्रेन एफेक्टिट हो रहा है , ये इफेक्ट आपके मसल पर भी करता है लिवर पर भी करता है उसके बाद पेन होगा उसके बाद क्या होता है पेसेंट बहुत गफलत में होगा उससे जान का खतरा ज्यादा होता है। तो ऐसे में ये लक्षण महसूस होते ही तुरंत डॉक्टर के पास जाए, जिससे समय रहते जान को कोई नुक्सान न हो.....

पिछले 9 सालों में महिला सशक्तिकरण पर हुआ ठोस काम : भगत

हल्द्वानी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की संसद में नारी शक्ति वंदन विधेयक पारित कर हर वर्ग की महिलाओं को शक्तिशाली बनाने का काम किया है। यह कहना है कालाढूंगी के विधायक बंशीधर भगत का। उन्होंने कहा, पिछले नौ सालों में महिला सशक्तिकरण पर ठोस काम किया गया है। पीएम की नीतियों से दुनिया में भारतीय लोकतंत्र की कीर्ति, यश और देश का गौरव भी बढ़ रहा है। कहा, पिछले दिनों जब मोदी सरकार की कैबिनेट का विस्तार हुआ तो सात महिला सांसदों को जगह दी गई। जब कभी राजनीति में विशेष रूप से महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने की बात की जाती थी तो अनेक राजनीतिक दल इसका विरोध करते हैं जबकि पीएम मोदी बराबर महिलाओं को सम्मान दे रहे हैं। उत्तराखंड सरकार ने महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में महिला डेयरी दुग्ध सशक्तिकरण योजना शुरू की है। विश्व खाद्य कार्यक्रम के तहत खाद्यान्न बैंकों का प्रबंधन राज्य की महिलाओं द्वारा किया जा रहा है। उत्तराखंड महिला एकीकृत विकास योजना, नन्दा देवी कन्या धन योजना जैसी तमाम महिला सशक्तिकरण की योजनाओं को राज्य सरकार ने पूर्व में ही महिलाओं के सम्मान में लागू किया है। महिलाओं ने जीवन के हर क्षेत्र में सडक़ से लेकर संसद तक, मैट्रो से लेकर अंतरिक्ष तक और भारतीय सेना के तीनों अंगों में और आईएएस व आईपीएस या फिर देश के सर्वोच्च राष्ट्रपति पद पर भी अपने हस्ताक्षर किये हैं। कहा, एक अच्छी परंपरा है महिलाओं को बराबर साथ लेकर चलना और उनको सम्मान देना और अब देश की संसद व विधानसभा में एक तिहाई सीटें रखना यह देश के लिए गौरव की बात है। उन्होंने इसे लेकर पीएम मोदी को बधाई भी दी हैं।

गंगोत्री साइकिल यात्रा से लौटे कुलदीप को नवाजा

ऋषिकेश। ब्लू राइडर साइकिल क्लब ने ऋषिकेश-गंगोत्री की 500 किमी साइकिल यात्रा कर लौटे कुलदीप असवाल को सम्मानित किया। सोमवार को भद्रकाली में ब्लू राइडर साइकिल क्लब ने कार्यक्रम आयोजित किया। इमें क्लब संरक्षक कुलदीप असवाल का स्वागत किया गया। ब्लू राइडर सदस्य राकेश सिंह और शैलेंद्र बिष्ट ने बताया कि संरक्षक कुलदीप असवाल अपनी 6 दिनी साइकिल यात्रा तयकर ऋषिकेश पहुंचे हैं। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण व फिट इंडिया के संदेश को लेकर ऋषिकेश से गंगोत्री और गंगोत्री से ऋषिकेश लगभग 500 किलोमीटर से अधिक की यात्रा तय की है। इस यात्रा में युवा साइकलिस्ट जन्मजय तोमर ने भी लम्बी दूरी उनके साथ तय की है। कुलदीप असवाल ने कहा कि जब वह कोरोनाकाल के दौरान शुगर से ग्रसित थे, तब उन्होंने साइकिल चलाने का निर्णय लिया था। अब वह पूरी तरह फिट हैं। इस दौरान जन्मजय तोमर को भी सम्मानित किया गया। मौके पर मंडी समिति अध्यक्ष विनोद कुकरेती, समाजसेवी योगेश राणा, ब्लू राइडर सदस्य पंकज ब्रेजा, अब्दुल रहमान, बलबीर जैसल, यशपाल चौहान, अजय प्रजापति, प्रकाश डोभाल, लोकेश मखीजा, मनोज रावत, नटवर श्याम, संजीव गुप्ता, मुकेश कृषाली, नरेंद्र कैंतुरा, राजेश नौटियाल, मनोज डोबरियाल, विकास बखेतिया, महेश सोती, योगेश पाल, सुनील सिंह, जय चौहान, दीपू रतूड़ी, दीपक बडोनी, संजय आदि उपस्थित रहे।

बेहोश होकर गिरे बुजुर्ग को कोतवाल ने पहुँचाया अस्पताल

अल्मोड़ा। प्रभारी निरीक्षक कोतवाली अल्मोड़ा अरुण कुमार कांस्टेबल खुशाल के साथ सोमवार को बाजार क्षेत्र में मां नंदा देवी मेला देखरेख शांति व्यवस्था हेतु सायंकालीन गश्त भ्रमण पर थे। इसी दौरान अचानक गंगोला मोहल्ला में सिलाई की दुकान कर रहे एक व्यक्ति रवि पुत्र नाथू लाल उम्र करीब 65 वर्ष निवासी मोहल्ला खत्याड़ी अल्मोड़ा अचानक बेहोश होकर दुकान में गिर जाने पर अत्यधिक गंभीर स्थिति में पहुंच गए। कोतवाल अरुण कुमार द्वारा तत्काल स्ट्रेचर मंगाकर स्थानीय लोगों की मदद से बुजुर्ग व्यक्ति को जिला अस्पताल अल्मोड़ा पहुंचाया गया। बुजुर्ग व्यक्ति का जिला अस्पताल में उपचार चल रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों द्वारा अल्मोड़ा पुलिस द्वारा दिखाई गई इस मानवता की सराहना की गई।

सात मरीजों की रिपोर्ट डेंगू पॉजिटिव

ऋषिकेश। शहर और साथ सटे इलाकों में डेंगू के मामले नहीं थम रहे हैं। सोमवार को भी तेज बुखार और बदन दर्द की शिकायत लेकर दर्जनों मरीज सरकारी अस्पताल पहुंचे। यहां चिकित्सकों ने 18 मरीजों को डेंगू जांच की सलाह दी, इसमें सात मरीजों की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। इनमें छिद्रवाला के दो, ऋषिकेश के चार और टिहरी का एक मरीज शामिल है। स्वास्थ्य पर्यवेक्षक एसएस यादव ने बताया कि डेंगू से लोगों के बचाव के लिए घर-घर आशाओं के साथ स्वास्थ्य विभाग के कर्मी पहुंच रहे हैं। उन्हें जागरूक कर घरों में साफ पानी के जमाव को रोकने के लिए कहा जा रहा है। संबंधित महकमों के अधिकारियों के माध्यम से भी कीटनाशक दवाओं का छिडक़ाव और फॉगिंग भी कराई जा रही है।

संक्षिप्त खबरें

चेकिंग अभियान में 44 वाहन सीज

देहरादून। वीक एंड पर शराब पीकर हुड़दंग करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ शनिवार और रविवार रात जिले में चेकिंग अभियान चला। इस दौरान कुल 44 वाहन सीज किए गए। वहीं 131 वाहनों का नगद और 26 वाहनों का कोर्ट का चालान किया गया। एसएसपी अजय सिंह के निर्देश पर जिले में यह चेकिंग अभियान चला। उन्होंने कहा कि वीक एंड पर रात में शराब पीकर लोग हुड़दंग करने के साथ ही रैश ड्राइविंग करते हैं। इसे देखते हुए सभी थानों की पुलिस को उन्होंने कार्रवाई का निर्देश दिया था। बताया कि रैश ड्राइविंग व शराब पीकर वाहन चलाने पर 34 वाहन सीज और अन्य नियम तोडने पर 10 वाहन सीज किए गए। 131 वाहनों का नगद चालान करते हुए 77 हजार रुपये का अर्थदंड वसूला गया। वहीं सार्वजनिक स्थान पर शराब पीने और हुडदंग करने वाले 193 लोगों पर 81 पुलिस ऐक्ट में कार्रवाई करते हुए 54 हजार रुपये अर्थदंड वसूला गया। इसके अलावा अवैध खनन ढोने पर भी तीन डंपर, दो ट्रैक्टर ट्राली और दो जेसीबी मशीनों को सीज किया गया।

पुष्पांजलि रियलम्स के डायरेक्टर राजपाल वालिया पर 25 हजार का इनाम घोषित, पुलिस तलाश में जुटी

देहरादून। निवेशकों के करोड़ों रुपये हड़पने में शामिल पुष्पांजलि रियलम्स के डायरेक्टर राजपाल वालिया पर भी पुलिस ने 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया है। उसकी तलाश में लगातार दबिश दी जा रही हैं। इस मामले में ईडी वालिया की पत्नी शैफाली को मेरठ से गिरफ्तार कर चुकी है। वर्ष 2020 में काफी लोगों ने पुष्पांजलि रियलम्स बिल्डर पर धोखाधड़ी के आरोप लगाए थे। इस मामले में पुलिस ने शुरुआत में डालनवाला थाने में पुष्पांजलि के मालिक दीपक मित्तल, पत्नी राखी मित्तल, डायरेक्टर राजपाल वालिया आदि के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था। इसके बाद एक-एक कर कई शिकायतें पुलिस के पास आईं। इनमें राजपुर और डालनवाला थाने में एक के बाद एक नौ मुकदमे दर्ज हुए। उस वक्त मित्तल विदेश में रह रहा था। उसने वापस आकर निवेशकों की रकम लौटाने का वादा किया था। वह आया तब तक उसके हाथ में कोर्ट का स्टे ऑर्डर था। इस पर पुलिस ने उस पर गैंगस्टर की कार्रवाई की। यह केस दर्ज हुआ तो वह गायब हो गया। उस पर इनाम घोषित किया गया। डायरेक्टर राजपाल वालिया के खिलाफ भी पुलिस ने 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया है। उसकी गिरफ्तारी के लिए ठिकानों पर लगातार दबिश दी जा रही है। एसएसपी अजय सिंह ने बताया कि आरोपी राजपाल वालिया पर इनाम की राशि बढ़ाने के लिए भी जल्द प्रस्ताव भेजा जाएगा। फिलहाल आरोपियों की गिरफ्तारी को प्रयास तेज कर दिए गए हैं।

वन विभाग में प्रमोशन न होने पर कर्मचारी नाराज

देहरादून। वन विभाग में मिनिस्टीरियल संवर्ग के प्रमोशन न होने पर उत्तरांचल फैडरेशन ऑफ मिनिस्टीरियल सर्विसेज एसोसिएशन ने विरोध जताया। प्रमुख वन संरक्षक को पत्र भेज कर जल्द प्रमोशन न होने पर आंदोलन की चेतावनी दी। एसोसिएशन अध्यक्ष पूर्णानंद नौटियाल, महामंत्री मुकेश बहुगुणा ने कहा कि वन विभाग में लंबे समय से मिनिस्टीरियल कर्मचारियों के प्रमोशन नहीं हो पाए हैं। कर्मचारी बिना प्रमोशन के ही रिटायर हो रहे हैं।